

3. सोचिए (मूल्यपरक प्रश्न)

- क. मदद और दान में क्या अंतर है?
- उ. मदद गरीबों, असहायों, अपाहिजों, प्राकृतिक आपदा से पीड़ितों आदि की जाती है। जिनकी मदद की जाती है वे मदद पाकर आत्मनिर्भर हो जाते हैं। दान पुण्य प्राप्त करने के लिए दिया जाता है। दान देने वाला व्यक्ति धार्मिक विचारोंवाला होता है। दान में दया का भाव नहीं होता है जबकि मदद में दया की भावना भी होती है।
- ख. आपकी दृष्टि में असली याचक (भिखारी) कौन है? क्यों?
- उ. हमारी दृष्टि में असली याचक सेठ है क्योंकि उसके पास अंधी को देने के लिए कुछ भी नहीं है। अंधी ने अपनी जीवनभर की जमा-पूँजी और स्नेह से पाला हुआ बेटा मोहन सेठ को दे दिया था। अंधी अब दाता की भूमिका में थी और सेठ याचक की भूमिका में था।

4. निम्नलिखित वाक्यों में प्रत्यययुक्त शब्द छाँटकर लिखिए—

- क. एक दस वर्ष का लड़का उछलता-कूदता आता और उससे चिपट जाता।
- ख. बच्चा-बच्चा उनकी कोठी से परिचित है।
- ग. सेठ जी जीवन में पहली बार बहुत चिंतित हुए।
- घ. सेठ जी स्वभाव से झगड़ालू किस्म के व्यक्ति हैं।
- ङ. बुढ़िया मोहन के साथ सुखी थी।
- च. बीमार मोहन दिन भर खटिया पर पड़ा रहता था।

5. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

- क. जान के लाले पड़ना — “प्राण संकट में पड़ना—अकाल पीड़ितों की जान के लाले पड़ रहे हैं।”
- ख. टस से मस न होना — “स्थिर रहना—अंगद अपनी जगह से टस से मस नहीं हुआ।”
- ग. कलेजे से लगाना — “बहुत प्रेम करना—माता ने अपने सैनिक बेटे को कलेजे से लगा लिया।”
- घ. खून-पसीना एक करना — “कठिन परिश्रम करना—रमा ने कक्षा में प्रथम आने के लिए खून-पसीना एक कर दिया।”
- ङ. नौ-दो ग्यारह होना — “भाग जाना—पुलिस को देखते ही चोर नौ-दो ग्यारह हो गया।”